1.

राजा मानसिहं तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय

स्कूल स्तर गायन एवं स्वर वाद्य पाठ्यक्रम

2020–21

स्वाध्यायी

Sangeetika Senior Diploma in performing art- (S.S.D.P.A.)

PAPER	SUBJECT VOCAL/INSTRUMENTAL (NONPERCUSSION)	MAX	MIN
1	Theory Music - Theory	100	33
2	PRACTICAL - II Demonstration & Viva	100	33
	GRAND TOTAL	200	66

Sangeetika Senior Diploma In Performing Art(S.J.D.P.A)

(सुगम संगीत)

सैद्धांतिक

समय : 3 घण्टे पूर्णांक :100

1. जूनियर डिप्लोमा के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पनुरावृत्ति।
2. सुगम संगीत में प्रयोग किये जाने वाले निम्नलिखित वाद्यों की बनावट (सचित्र) एवं वर्णन हारमोनियम, सितार, वायलिन, सारंगी, स्पेनिष गिटार, नाल, इलेक्ट्रॉनिक वाद्य (की–बोर्ड, ऑक्टोपडे, इलेक्ट्रॉनिक तानपुरा)
3. वाद्य वर्गीकरण की जानकारी
4. परिभाषाऍं एवं वर्णन :– मींड, कण, खटका, मरकी, गमक, वर्ण, लय , ताल, मात्रा, सम, खाली, भरी, ठेका, आवर्तन।
5. निम्नलिखित सांगीतिक विधाओं की संक्षिप्त जानकारी :– शास्त्रीय संगीत, उपशास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, लोक संगीत एवं चित्रपट संगीत।
6. निम्नलिखित तालों का तालिपि में लेखन ठाह, दुगुन, चौगुन सहित :– झपताल, दीपचन्दी, धुमाली, खेमटा, चांचर, भजनी ठेका।
7. संगीत विषयक निबंध का लगभग 400 शब्दों में लेखन।
8. निम्नलिखित रचनाकारों का संक्षिप्त परिचय :– कबीरदास, तुलसीदास, गुरूनानक, महादेवी वर्मा, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, जयशंकर प्रसाद, मीर–तकी–मीर, फैज अहमद फैज, जिगर मुरादाबादी।

Sangeetika Senior Diploma In Performing Art(S.J.D.P.A)

(सुगम संगीत)

प्रायोगिकः– प्रदर्शन एवं मौखिक

समय : 20 मिनिट पूर्णांक : 100

1. पिछल वर्ष के पाठ्यक्रम की पनरावृत्ति, आकाशवाणी द्वारा अनुमोदित रचनाकारों की रचनाओं का गायन : (दो–दो गीत, भजन, गजलें कल छः, सभी पृथक रचनाकारों की तथा मौलिक सगीत रचनाऐं)
2. निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं का गायन : (दो–दो गीत, भजन, गजलें कुल छः सभी पृथक रचनाकारों की तथा मौलिक संगीत रचनाएँ) तुलसीदास, सूरदास, कबीरदास, गुरूनानक, मीराबाई, सुमित्रानन्द पंत, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, गोपालदास, नीरज, जयषंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, मिर्जा गालिब, बहादुरशाह जफर, फैज अहमद फैज, शकील बदायुनी, जिगर मुरादाबादी, मीरत की मीर।
3. उपरोक्त रचनाओं में से किसी एक रचना में उपज, बढत आदि सहित गायन।
4. एक स्वागत गीत एवं देशभक्ति गीत का गायन (संगीत रचना मौलिक होना अनिवार्य है।)
5. राग पूर्वी, मारवा, आसावरी, तोड़ी एवं भैरवी के आरोह, अवराह, पकड तथा इनमें से किसी एक राग के मध्यलय ख्याल का गायन, पॉच आलाप एवं पॉच तानों सहित।
6. भारत में प्रचलित किन्हीं दो लाकेगीतों का गायन। (दोनो पृथक प्रदेशो के हो)
7. निम्नलिखित तालों का हाथ से ताली देकर ठाह, दुगुन एवं चौगुन सहित प्रदर्षन :– दादरा, रूपक, कहरवा, झपताल, एकताल, दीपचन्दी, त्रिताल।

प्रायोगिक अंक विभाजन

गीत	15 अंक
भजन	15 अंक
गजल	15 अंक
लोकगीत	15 अंक
उपज, बढत सहित रचना	10 अंक
मध्यलय ख्याल	10 अंक
ताल प्रदर्शन	10 अंक
देशभक्ति गीत अथवा स्वागत गीत	10 अंक
	.....
	100
	.....